

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर):** महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 106 जो करीब 136 किलोमीटर लंबा है और जो भारत - नेपाल सीमा (भीम नगर) से शुरू होकर मधेपुरा, सहरसा होते हुए भागलपुर जिले के बिहपुर में खत्म होता है। इसमें 64 किलोमीटर सिंगल लेन है, 62 किलोमीटर इंटरमीडिएट और 10 किलोमीटर कोशी नदी का मिसिंग लिंक है। जो सड़क 9 वर्ष पहले राजमार्ग संख्या 106 घोषित किया गया था उसका अपग्रेडेशन अब तक नहीं किया गया है, जैसा कि अन्य राजमार्गों के मामले में किया गया। यह राजमार्ग बिहार के सुपौल और मधेपुरा जिले की जीवन रेखा है और पूर्वी बिहार के सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। उचित ढंग से रख-रखाव नहीं होने के कारण इस सड़क की अवस्था काफी जर्जर हो गई है, जिसके कारण क्षेत्रवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 80 पर भारी ट्रैफिक है और जिसको संभालने के लिए इस राजमार्ग को डबल लेन वाला बनाना चाहिए।

इसी के साथ एक डबल लेन रोड को भागलपुर बाइपास के तौर पर बनाने की योजना बनी थी जिसके अंतर्गत साढ़े सोलह कि.मी. लंबा बाइपास भागलपुर के पश्चिमी भाग (चंपानाला) से गंगा बीच तक बनाना था ताकि ट्रैफिक को भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों से गुजरना ना पड़े।

इन्हीं सब कारणों से जहां भागलपुर बाइपास बनाने की चिंता की जानी चाहिए वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 80 पर कि.मी. सं. 181 से 190 (मिर्जा चौकी सैक्शन) के अपग्रेडेशन और चौड़ीकरण किया जाना चाहिए ताकि भारी ट्रैफिक का दबाव कम हो सके।

उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 106 व 108 के अपग्रेडेशन और चौड़ीकरण के साथ साथ भागलपुर बाइपास के कार्य को पूरा किया जाये, कोसी नदी पर पुल बनाया जाए ताकि जनता को राहत हो।